Today's Poem – 19.07.2014

जिसने बहुत भक्ति की, आलराउंड पार्ट बजाया

उसी ने ही इस ज्ञान को सुनने का अधिकार पाया

तुम ही हो ब्राह्मण सो देवता

यह राज़ कोई नहीं जानता

रचियता और रचना को यथार्थ समझ आस्तिक बनना

ड्रामा के ज्ञान में नहीं मुंझना

बुद्धि को हद से निकाल बेहद में ले जाना

फ़रिश्ता बनने के लिए सम्पूर्ण पावन बनना

आत्मा में जो किचड़ा उसे याद के बल से निकाल साफ़ करना

सर्वशक्तिमान बाप के साथ सदा कंबाइंड रहना

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!